



- श्रीनाथसिंह

प्रस्तुत कविता प्रसिद्ध रचनाकार श्री श्रीनाथसिंह द्वारा रची गई है। जीवन में प्रकृति का बहुत ही महत्व है। इस कविता में कवि ने प्रकृति में मौजूद विभिन्न चीजों: फूल, भौंरे, सूरज, पेड़, पृथ्वी इत्यादि से कुछ न कुछ सीख लेने की प्रेरणा दी है।

फूलों से नित हँसना सीखो
भौंरों से नित गाना ।
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना ।

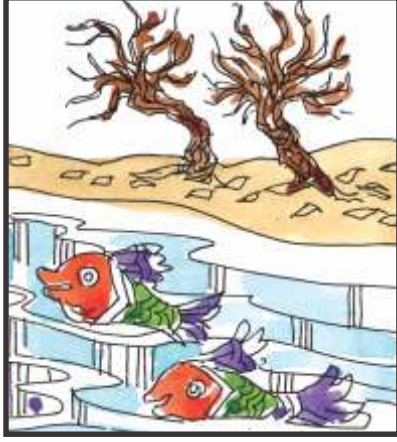


सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना ।
लता और पेड़ों से सीखो
सबको गले लगाना ।



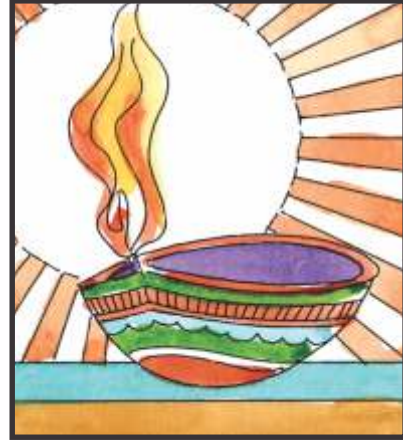
सीख हवा के झोंकों से लो
कोमल भाव बहाना ।
दूध तथा पानी से सीखो
मिलना और मिलाना ।





मछली से सीखो स्वदेश के
लिए तड़पकर मरना ।
पतझड़ के पेड़ों से सीखो
दुःख में धीरज धरना ।

दीपक से सीखो जितना
हो सके अँधेरा हरना ।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की
सच्ची सेवा करना ।



जलधारा से सीखो आगे
जीवन-पथ में बढ़ना ।
और धुँएँ से सीखो हरदम
ऊँचे ही पर चढ़ना ।



शब्दार्थ

फूल पुष्प सूरज रवि, भानु नित सदा, प्रतिदिन लता वेल भौरा मधुकर, भँवरा पतझड़ पत्ते झड़ने की ऋतु, पानखर (गुज) तरु पेड़, वृक्ष धीरज धैर्य, धीरता हवा वायु, पवन पृथ्वी धरा, अवनी कोमल नाजुक, मुलायम जलधारा पानी की धारा या प्रवाह पानी जल, नीर

मुहावरे

शीश झुकाना
कोमल भाव बहाना
ऊँचे चढ़ना

विनम्र होना ।
सुन्दर विचार प्रकट करना ।
उन्नति करना ।



अभ्यास

1. पढ़िए और बोलिए :

हँसना, भौंरा, स्वदेश, तड़पकर, अँधेरा, पृथ्वी, धुआँ, ऊँचा

2. कविता का सामूहिक और व्यक्तिगत गान कीजिए ।

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) कविता में प्रकृति के किन-किन तत्वों की बात कही गई है ?

(2) स्वयं देखे हुए प्रकृति की अन्य चीजों के नाम दीजिए ।

4. किससे क्या सीखें ? सोचकर बताइए :

- (1) दीपक से
- (2) भौंरों से
- (3) फूलों से
- (4) हवा से
- (5) दूध और पानी से
- (6) सूरज की किरणों से
- (7) लता और पेड़ों से
- (8) धुएँ से
- (9) मछली से
- (10) जलधारा से
- (11) पृथ्वी से
- (12) पतझड़ के पेड़ों से

5. निम्नलिखित वाक्यों को उदाहरण के अनुसार लिखिए और स्वरभार देकर पढ़िए :

जैसे - 1. मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।

- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।
- मैंने कल आपको यह किताब दी थी ।

2. मेरे जन्मदिन पर दोस्तों ने मुझे उपहार दिया ।
3. किसान ने बैल को रस्सी से कसकर बाँधा ।
4. बगीचे में तितलियाँ मंडराने लगीं ।
5. मैं कल रामपुर गया था ।



स्वाध्याय

1. सही जोड़े मिलाइए :

अ

- (1) फूल
- (2) जलधारा
- (3) मछली
- (4) पृथ्वी
- (5) धुआँ

ब

- (1) स्वदेश के लिए तड़पकर मरना
- (2) सबको गले लगाना
- (3) हँसते रहना
- (4) उन्नति करना
- (5) जीवनपथ में आगे बढ़ना
- (6) सेवा करना
- (7) शीश झुकाना

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

- (1) दुःख में हमें क्या करना चाहिए ?
- (2) सूरज की किरणों से हमें क्या सीख मिलती है ?
- (3) कोमल भाव बहाने की सीख हमें कौन देता है ?
- (4) अँधेरा कौन दूर करता है ?

3. कविता में से निम्नलिखित भावार्थवाली पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए :

- (1) सुख हो या दुःख हो, हमें हमेशा हँसते रहना चाहिए ।
- (2) हमें हर एक प्राणी की सेवा करनी चाहिए ।
- (3) हमें सदैव प्रगति करनी चाहिए ।
- (4) हमें सबसे हिलमिलकर रहना चाहिए ।

4. कविता में से संज्ञा, विशेषण और क्रियापद शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

संज्ञा	विशेषण	क्रिया
जैसे : सूरज _____ _____ _____	सच्चा _____ _____ _____	गाना _____ _____ _____

5. आपने उपर्युक्त कोष्ठक में विशेषण और क्रिया के जो शब्द लिखे हैं, उनका वाक्यप्रयोग कीजिए ।

- जैसे - ● मोहन सच्चा बालक था ।
● रीटा गीत गाती है ।

योग्यता-विस्तार

□ इनसे आप क्या सीखेंगे ? चर्चा कीजिए ।

- | | |
|------------|------------|
| ● कुत्ता | ● अगरबत्ती |
| ● हंस | ● नदी |
| ● सियार | ● चींटी |
| ● बुलबुल | ● मकड़ी |
| ● मधुमक्खी | ● कंगारू |

■ क्या तुम अपने आस-पास की चीजों से भी कुछ सीख सकते हो ? यदि 'हाँ' तो लिखो कि किससे क्या सीखोगे ?

■ कविता में किसी न किसी से कुछ न कुछ सीख लेने की बात कही गई है । अगर हम किसी से कुछ भी न सीखें तो क्या होगा ? अपने विचार लिखिए ।